डॉ. मनसुख मांडविया
DR. MANSUKH MANDAVIYA

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
व रसायन एवं उर्वरक मंत्री
भारत सरकार
Minister for Health & Family Welfare
and Chemicals & Fertilizers
Government of India

सत्यमेव जयते
आज़ादी का अमृत महोत्सव

संदेश

दया प्राणी का पहला धर्म है। अपने हृदय में दया, करुणा, नम्रता जैसे ईश्वरीय गुणों के बसाए रखें, तभी मानव धर्म और सुंदर बन सकता। दया के सम्बन्ध में तुलसीदास का यह दोहा दया का अर्थ व महत्व स्पष्ट कर देता है-

दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान
तुलसी दया न छांड़िए, जब लग में प्रांण।

यानि दया ही धर्म का मूल है, अभिमान पाप की जड़, जब तक शरीर में प्राण बसे रहे दया को कभी नहीं छोड़ना चाहिए।

विश्व रेड क्रॉस दिवस हर साल 8 मई को रेड क्रॉस के संस्थापक और संयुक्त तौर पर पहला नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले जीन-हेनरी ड्यूनेंट की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। हर साल इसका एक थीम होता है और उसी थीम पर दुनिया भर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

इस वर्ष का विषय है #बीह्यूमनकाइंड (#BeHumanKIND)

दया दूसरों की ओर विनम्र और विचारशील होने का गुण है। यह एक ऐसा गुण है जो हर किसी के पास होना चाहिए। यह विनम्र होने और या किसी को भावनात्मक समर्थन देने के रुप में छोटे से योगदान के रूप में भी हो सकता है।

आपको आसपास के लोगों को सहायता प्रदान करने और उनसे अच्छा व्यवहार करने के लिए धनी होने की जरूरत नहीं है। इन सबके लिए आपके पास सिर्फ अच्छे दिल और नेक नीयत की जरूरत है। हम में से हर एक के पास दुनिया को देने के लिए कुछ न कुछ है। हमें यह समझना होगा कि यह क्या है। दया हमें आंतरिक शांति प्रदान करती है। जो लोग परोपकार का कार्य करते हैं और लोगों की उनके बड़े और छोटे कार्यों में मदद करते हैं वे उन लोगों से अधिक खुश रहते हैं जो सिर्फ अपने लिए काम करते हैं।

दुनिया के सबसे बड़े मानवीय नेटवर्क के एक हिस्से के रूप में, मैं देश के सभी रेड क्रॉसर्स से जरूरतमंद और कमजोर लोगों की मदद करने का आग्रह करता हूं। मैं सभी रेड क्रॉस कर्मचारियों, सदस्यों और स्वयंसेवकों को विश्व रेड क्रॉस दिवस की बहुत—बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

(डॉ. मनसुख मांडविया)

कार्यालय: 348, ए-स्कंध, निर्माण भवन, नई दिल्ली – 110011 ☐ Office: 348, A-Wing, Nirman Bhawan, New Delhi - 110011
Tele.: (O): +91-11-23061661, 23063513 ☐ Telefax : 23062358